>

Title: Need for maintenance and development of Kakolat Waterfall, a tourist place in Nawada district of Bihar.

डॉ. भोला सिंह (नवादा): सभापति महोदय, आपने मुझे बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपका आभारी हूं। बिहार के नवादा जिले के वक्ष पर सूखी, मर्माहत धरा पर प्रकृति का नयनाभिराम नर्तन, कीर्तन, संकीर्तन काकोलत का अंतर्राष्ट्रीय जल प्रपात आज भी घोर उपेक्षित है। राष्ट्रीय उच्च पथ 31 से मात्र 15 किलोमीटर की दूरी पर अवस्थित यह जल-प्रपात आज भी यातायात की कठिनाइयों का दंश झेल रहा है। वर्ष में लाखों देशी-विदेशी पर्यटक इस जल-प्रपात में स्नान कर जवानी और यौवन प्राप्त करते हैं। सूर्य की तपिश में यह जल-प्रपात पर्यटकों को मोहक अदा प्रदान करता है। बिहार सरकार ने इस पथ को राज्य उच्च पथ की मान्यता दे रखी है। भारत सरकार के पर्यटक विभाग को इसके स्वरूप को निखारने के लिए प्रस्ताव भेजा है, परन्तु केन्द्र सरकार के पर्यटक विभाग अभी तक कोई दिलचस्पी नहीं दिखा पा रहे हैं।

काकोलत जल-प्रपात से 10 मेगावाट बिजली भी पैदा होने की संभावना है, परन्तु इस ओर किसी का कोई ध्यान नहीं है। पर्यटकों को ठहरने के लिए न तो कोई विश्राम गृह है और न कोई ठहराव की अन्य व्यवस्था ही है। नवादा यों तो प्राकृतिक आपदा का दंश झेल ही रहा है, पर इसकी घोर उपेक्षा प्रशासनिक स्तर से लोक-जीवन को मर्माहत करती है।

अतः मैं केन्द्र सरकार के पर्यटक विभाग से मांग करता हूं कि वह काकोलत जल-प्रपात को, जो प्राकृतिक नयनाभिराम अवदान है, उसे एक राष्ट्रीय सम्पदा के रूप में सुरक्षित रखने, पर्यटकों को आकर्षित करने, यातायात, पर्यटक सूचना केन्द्र, डाक बंगला आदि की व्यवस्था करने के लिए अपने राष्ट्रीय दायित्व का पालन करे। साथ ही फतेहपुर से अकबरपुर-काकोलत रोड जो राज्य उच्च पथ है, उसे पर्यटक विभाग

निधि देकर अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों के लिए यातायात की सुविधा प्रदान करे। मैं सदन के माध्यम से इस ओर सरकार का ध्यान आकर्षित करता हूं।

MR. CHAIRMAN: Shri P.L. Punia is also associating with this matter.